भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 3645
दिनांक 17 दिसंबर, 2024 के लिए प्रश्न

पशुपालन क्षेत्र में गुणवत्ता मानक

3645. श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पशुपालन, मत्स्यपालन और डेयरी क्षेत्र में विशेषकर पशु स्वास्थ्य उत्पाद सुरक्षा के संबंध में गुणवत्ता मानकों में सुधार करने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) संबंधी देश में गुणवत्ता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वित किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने गुणवत्ता सुधार हेतु सर्वोत्तम पद्धति अपनाने के लिए किसी अनुसंधान संस्थान अथवा अंतर्राष्ट्रीय संगठन के साथ सहयोग किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) जी हां

(ख) देश भर में गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लागू किए गए उपायों का विवरण इस प्रकार है:

(i) विभाग ने पशुपालन क्षेत्र से संबंधित नीतिगत इनपुट के लिए और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) जो देश में पशु चिकित्सा दवाओं और टीकों की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता को नियंत्रित करता है, को विश्लेषण आधारित सिफारिश प्रदान करने के लिए एक "पशु स्वास्थ्य संबंधी अधिकार प्राप्त समिति (ईसीएएच)" का गठन किया है। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के उपबंधों के अनुसार भारत में पशु चिकित्सा उपयोग के लिए इम्यूनोबायोलॉजिकल के परीक्षण के लिए केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला (सीडीएल) के रूप में स्थापित किया गया है। पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) के तहत चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य संस्थान (सीसीएसएनआईएएच) गुणवत्ता नियंत्रण और पशु चिकित्सा टीकों के लाइसेंस की सिफारिश सहित मानक, कुशल और सुरक्षित पशु चिकित्सा जैविक (टीकों) और निदान का आश्वासन देता है।

(ii) विभाग देश भर में राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) कार्यान्वित कर रहा है। इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण दूध के परीक्षण, खरीद, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और दूध तथा दूध उत्पादों के विपणन के लिए अवसंरचना का सृजन/सुदृढ़ीकरण करना है।

(iii) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) पशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए पशु स्वास्थ्य और पोषण पर अनुसंधान करता है। इसके अलावा, केंद्रीय और क्षेत्रीय रोग निदान प्रयोगशालाएं, आईसीएआर प्रयोगशालाएं जैसे भाकृअनुप - राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान

(iv) भोपाल, आईसीएआर निवेदी बंगलोर, आईसीएआर-एनआरसीई, हिसार, आईसीएआर, एनआईएफएमडी, भुवनेश्वर तथा आईसीएआर-आईवीआरआई, बरेली पशु और पशु उत्पादों के परीक्षण, रोग की निगरानी तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार क्षमता, जीवाणु रहितता तथा सुरक्षा के लिए टीकों के परीक्षण हेतु सहयोग कर रही हैं।

(v) राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनएफडीबी) मत्स्यपालन में गुणवत्ता और उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान को बढ़ावा देता है और रोग निदान केंद्र, गुणवत्ता परीक्षण और रेफरल प्रयोगशालाओं और मोबाइल केंद्रों को मंजूरी देता है। केंद्रीय जलकृषि प्राधिकरण (सीएए) झींगा की हैचरी और उसके पालन को नियंत्रित करता है और जलीय कृषि इनपुट को मिलावट और संदूषक मुक्त होने संबंधी अनुपालन प्रमाण पत्र जारी करता है।

(vi) भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) देश में दूध, मांस, अंडे आदि जैसे गुणवत्तापूर्ण पशु उत्पादों के विनिर्माण, भंडारण, वितरण, बिक्री तथा आयात को विनियमित करता है। खाद्य सुरक्षा तथा मानक (खाद्य उत्पाद मानक और खाद्य सहयोज्य) विनियम, 2011 दूध उत्पादों, अंडा उत्पादों, मांस उत्पादों, मछली उत्पादों, फीड आदि जैसे उत्पादों के संबंध में सुरक्षा और मानक उपबंधित तथा विनियमित करता है।

(vii) भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के तहत पशुपालन, मत्स्यपालन और डेयरी सेक्टर में पशु आहार और पोषण, मत्स्यपालन और जलीय कृषि, डेयरी उत्पाद तथा पशुपालन उपकरण के संबंध में सरकार द्वारा भारतीय मानकों का अनुपालन अनिवार्य कर दिया गया है, जिसमें गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) जारी करके लाइसेंस या अनुरूपता प्रमाण पत्र (सीओसी) के तहत मानक चिह्न का अनिवार्य उपयोग शामिल है।

(ग)और (घ) जी हाँ। पशुपालन और डेयरी विभाग को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा तकनीकी रूप से सहायता प्रदान की जाती है, जो पशुपालन, मत्स्यपालन और डेयरी क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार और गुणवत्ता मानकों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के संबंध में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूओएएच), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) जैसे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करता है। सीसीएस एनएआईएच में एफएमडी वैक्सीन गुणवत्ता के परीक्षण और भारत की पशु वैक्सीन परीक्षण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आईसीएआर और वर्ल्ड रेफरेंस लेबोरेटरी (डब्ल्यूआरएल), पिरब्राइट (यूके) के बीच एक सहयोगात्मक कार्यक्रम चल रहा है।

*****